सम.-11014/7/2019-समन्वय
भारत सरकार
कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय
(समन्वय प्रभाग)
****

तृतीय तल, कौशल भवन,
न्यू मोती बाग, नई दिल्ली-110023
दिनांक: 19 फ़रवरी, 2024

कार्यालय ज्ञापन

विषय: एसडीई मंत्रालय से संबंधित मंत्रिमंडल के लिए मासिक सारांश

अधोहस्ताक्षरी को नवंबर, 2023 माह के महत्वपूर्ण कार्यकलापों का मासिक सारांश हिंदी और अंग्रेजी में सूचना के लिए अग्रेषित करने का निदेश दिया गया है।

संलग्न: **यथोक्त**

19/2/24

(अखिलेश कुमार राय)
अवर सचिव (समन्वय)

सेवा में:

भारत सरकार के सभी मंत्रालय/विभाग

प्रतिलिपि सूचनार्थ:

मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली-110001

नवंबर, 2023 माह के दौरान इस मंत्रालय की कुछ प्रमुख उपलब्धियां/पहल इस प्रकार हैं:

1. कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के उद्देश्यों के साथ सामंजस्य स्थापित करने के प्रयास में, विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में रक्षा औद्योगिक गलियारे का सहयोग करने के लिए एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र के लिए स्थानीय युवाओं को सशक्त बनाना और तैयार करना है, भारतीय कौशल संस्थान (आईआईएस) कानपुर ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और डसॉल्ट एयरक्राफ्ट सर्विसेज इंडिया (डीएएसआई) के साथ 3 प्रमुख भागीदारियों की घोषणा की। 09 नवंबर, 2023 को नई दिल्ली में माननीय केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान की उपस्थिति में समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया गया। इस अवसर पर अपना वक्तव्य देते हुए, माननीय केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आईआईटी कानपुर, भारतीय कौशल संस्थान, कानपुर, एचएएल और डसॉल्ट एयरक्राफ्ट सर्विसेज इंडिया के बीच सहयोग, कौशल विकास के भविष्य को आकार देने और भारत के युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण अध्याय है।

2. माननीय केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने 24 नवंबर 2023 को 'पीएम विश्वकर्मा' स्कीम के अंतर्गत 'विश्वकर्मा गुरुओं के सम्मान समारोह' के दौरान 26 विशेषज्ञ कारीगरों और शिल्पकारों को सम्मानित किया, जो आगे ब्रांड एंबेसडर के रूप में कार्य करेंगे। यह स्कीम उन्हें अपने संबंधित ट्रेडों में मुख्य प्रशिक्षक और प्रशिक्षक बनने के अवसर भी प्रदान करेगी। गुरु-शिष्य परंपरा को अपने अवतार में अधिक मापनीय, सुलभ और नवीन बनाने की दृष्टि से प्रेरित होकर, कारीगरों को मुख्य प्रशिक्षकों में बदलने के लिए आधुनिक उपकरणों, डिजाइन तत्वों और नवीनतम तकनीकों में प्रशिक्षित किया जाएगा। इस स्कीम का उद्देश्य पारंपरिक कौशल को संरक्षित करना, उद्यमशीलता प्रतिभा का पोषण करना, स्थानीय उत्पादों का विपणन करना तथा ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों और सम्मान समारोह के माध्यम से सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ाना है। पीएम विश्वकर्मा गुरु उन लोगों के लिए बहुत सारे व्यक्तिगत अनुभव और शिक्षण ला सकते हैं जो इस स्कीम से लाभान्वित हो सकते हैं।

3. माननीय प्रधान मंत्री के नेतृत्व से प्रेरित होकर, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय ने लंबित मामलों के शीघ्र निपटान, कुशल अंतरिक्ष प्रबंधन और स्वच्छ एवं हरा-भरा वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्यों के साथ 2 अक्तूबर से 31 अक्तूबर, 2023 तक विशेष अभियान 3.0 शुरू किया। स्वच्छता संबंधी विशेष अभियान 3.0 की सफल परिणति मंत्रालय की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। यह व्यापक पहल पूरे मंत्रालय के साथ-साथ देश के विभिन्न क्षेत्रों में फैले इसके संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों और स्वायत्त निकायों तक फैली हुई है। एमएसडीई ने स्वीकृत पद्धतियों में से एक बेंगलुरु में होसुर रोड पर सरकारी मॉडल औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के परिसर में 25 विभिन्न स्थानों पर कृत्रिम पुनर्भरण गड्ढों के निर्माण की शुरुआत की है। ये गड्ढे लगभग 120 लाख लीटर वर्षा जल की प्रभावशाली संयुक्त क्षमता प्रदर्शित करते हैं, जो वार्षिक वर्षा के लगभग 10% के बराबर है। इस प्रयास के परिणामस्वरूप आईटीआई के भीतर 25 अंतःस्राव कुओं की स्थापना होगी, जो लगभग 32 लाख लीटर वर्षा जल को संरक्षित करने में सक्षम होंगे, और इस प्रकार स्थायी जल प्रबंधन पहल में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। इस उत्सव में आईटीआई बेहरामपुर द्वारा 23 फुट ऊंचे स्क्रैप हाथी ढांचे का अनावरण शामिल है, जिसे 30,000 इस्तेमाल की गई प्लास्टिक की पानी की बोतलों का उपयोग करके तैयार किया गया था, 3000 बेहरामपुर प्रशिक्षुओं द्वारा संग्रह प्रयास किया गया था, जिन्होंने शहर के विभिन्न स्थानों से इन बोतलों को परिश्रमपूर्वक इकट्ठा किया था।

4. माननीय केंद्रीय शिक्षा तथा कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने ओडिशा के युवा संवर्ग की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए 24 नवंबर, 2024 को राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान

(एनएसटीआई) प्लस की आधारशिला रखी। एनएसटीआई प्लस, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के शीर्ष संगठन प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) के अंतर्गत, शिल्पकार अनुदेशक प्रशिक्षण स्कीम (सीआईटीएस) के तहत चरण-1 में 500 अनुदेशकों को प्रशिक्षित करेगा और इसके अलावा कौशलोन्नयन और पुनर्कौशलीकरण के लिए 500 अन्य अनुदेशकों को शामिल करेगा। इस अवसर पर अपना वक्तव्य देते हुए, माननीय मंत्री ने कहा कि, एनएसटीआई उम्मीदवारों के साथ-साथ प्रशिक्षकों को उद्योग और भविष्य के लिए तैयार कौशल प्रदान करने के लिए एक आधुनिक गुरुकुल के रूप में उभरेगा। जटनी, भुवनेश्वर के 7.8 एकड़ के परिसर में निर्मित, एनएसटीआई प्लस न केवल राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निस्बड), राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) और कुशल भारत अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (एसआईआईसी) जैसे संस्थानों को समायोजित करेगा, बल्कि विविध कौशल विकास कार्यकलापों के लिए एक संभावित केंद्र के रूप में भी उभरेगा।

5. प्रधान मंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेला (पीएमएनएएम) : राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को सलाह दी गई है कि वे राज्य के कुल जिलों के 1/3 भाग में प्रत्येक दूसरे सोमवार को पीएमएनएएम आयोजित करें ताकि सभी जिलों को तीन माह में एक बार और वर्ष में चार बार शामिल किया जा सके। राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को स्थानीय परिस्थितियों/त्योहारों आदि के आधार पर जिला/स्थान और मेला का दिन चुनने की छूट दी गई है। तदनुसार, नवंबर महीने के लिए, पीएमएनएएम का आयोजन दिनांक 13.11.2023 को किया गया था। इसके साथ ही जून 2022 से देश के 3,167 स्थानों पर पीएमएनएएम का आयोजन किया जा चुका है। संचयी रूप से, उम्मीदवारों की संख्या 4.33 लाख तक पहुंच गई है और पीएमएनएएम में भाग लेने वाले प्रतिष्ठानों की संख्या 24,938 है। पीएमएनएएम शिक्षुता प्रशिक्षण के लिए एक एडवोकेसी मंच के रूप में भी कार्य करता है। प्रत्येक माह पीएमएनएएम के बाद, आगामी 20 दिनों के लिए शिक्षुता अनुबंधों को ट्रैक किया गया और 6.14 लाख शिक्षुता अनुबंध सृजित पाए गए, जिसमें पीएमएनएएम के अलावा सृजित अनुबंध भी शामिल हो सकते हैं।

ii. शिक्षुता प्रशिक्षण की स्थिति: वर्तमान वित्तीय-वर्ष 2023-24 के दौरान सम्बद्ध शिक्षुओं की संख्या 30 नवंबर 2023 तक 5,81,610 है। 30 नवंबर 2023 तक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले शिक्षुओं की कुल संख्या 7.08 लाख है। 31 दिसंबर 2023 तक शिक्षुओं को नियुक्त करने वाले प्रतिष्ठानों की कुल संख्या 42,975 है।

6. बैठक और कार्यशालाएं:

i. प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 (पीएमकेवीवाई 4.0) के लिए कार्यकारी समिति (ईसी) की चौथी बैठक दिनांक 22.11.2023 को संयुक्त सचिव, एमएसडीई की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी। इन बैठकों में विशेष परियोजना श्रेणी के तहत विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा की गई।

ii. विभिन्न स्कूलों जैसे सीबीएसई स्कूलों, केंद्रीय विद्यालय (केवी), सैनिक स्कूलों, जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी), केंटोन्मेंट विद्यालय, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) में प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना 4.0 (पीएमकेवीवाई 4.0) के कार्यान्वयन की समीक्षा के लिए दिनांक 08.11.2023 को सचिव, एमएसडीई की अध्यक्षता में एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई थी।

iii. उच्च शिक्षा संस्थानों जैसे एआईसीटीई और यूजीसी से संबद्ध कॉलेजों और कौशल विश्वविद्यालयों में प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना 4.0 (पीएमकेवीवाई 4.0) के कार्यान्वयन की

समीक्षा के लिए दिनांक 08.11.2023 को सचिव, एमएसडीई की अध्यक्षता में एक आभासी बैठक आयोजित की गई थी।

7. सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड में मुंबई, अहमदाबाद और कानपुर में तीन भारतीय कौशल संस्थान (आईआईएस) स्थापित करने के प्रस्ताव को अक्तूबर, 2018 में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मंजूरी दी गई थी। प्रत्येक आईआईएस को संबंधित राज्य में एक पंजीकृत वैध इकाई के रूप में स्थापित किया जाना है और उनका परिकल्पित जनादेश आधुनिक पाठ्यक्रम चलाना है, जिसमें प्रत्येक वर्ष न्यूनतम 5,000 छात्र उत्तीर्ण होंगे जो एक उच्च गुणवत्ता वाले आकांक्षी कौशल संस्थान के अनुरूप, तुलनात्मक पदों के लिए वेतन के वर्तमान स्तर और एक कौशल वेतन प्रीमियम के आधार पर मासिक औसत वेतन/आय स्तर पर कम से कम 70% प्रशिक्षुओं के कैंपस नियोजन के साथ निष्पादन परिणामों के साथ आधुनिक पाठ्यक्रम चलाना है। इसके अलावा, प्रत्येक आईआईएस, उच्च स्तरीय कौशल में प्रमाण-पत्र कार्यक्रम के अलावा, दो वर्ष का डिप्लोमा पाठ्यक्रम या एक उन्नत पाठ्यक्रम या विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर एक डिग्री भी प्रदान करेगा। उद्योग-नियोक्ता कनेक्शन सुनिश्चित करने के लिए प्रस्तावित अधिकांश पाठ्यक्रम शिक्षु-सन्निध होंगे। आईआईएस कानपुर भवन का निर्माण राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान (एनएसटीआई), कानपुर परिसर में किया गया था, जो प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत संचालित एक संस्थान है। आईआईएस कानपुर को परिचालित करने के लिए माननीय शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री की उपस्थिति में कौशल भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में दिनांक 09.11.2023 को आईआईटी कानपुर, डीजीटी और एमएसडीई के बीच त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें आईआईटी कानपुर एक ज्ञान भागीदार की भूमिका निभाएगा।

8. संकल्प स्कीम के भाग के रूप में, यह मंत्रालय सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से अल्पावधि कौशल में वर्तमान जॉब नियोजन परिणामों और प्रतिधारण दरों में सुधार करने के लिए राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के साथ अंबर परियोजना को कार्यान्वित कर रहा है। इस परियोजना का लक्ष्य 30,000 उम्मीदवारों को प्रशिक्षण प्रदान करना है, जिनमें बड़े पैमाने पर रोजगार वाले जॉब रोल्स, तकनीक-संचालित जॉब रोल्स और नियंत्रित प्रयोगिक/भागीदारी में सम्बद्ध प्रतिभागी शामिल हैं, जो नए और अभिनव प्रशिक्षण मॉडल का उपयोग करते हैं। नवंबर 2023 तक कुल 17,008 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया है, 11,653 उम्मीदवारों का आकलन किया गया है और 10,273 उम्मीदवारों को प्रमाणित किया गया है। इसमें नवंबर 2023 के महीने में 1,601 उम्मीदवारों का प्रशिक्षण और 1,178 उम्मीदवारों का प्रमाणीकरण शामिल है।

9. एमएसडीई एनएसडीसी के माध्यम से युवा कार्यक्रम के तत्वावधान में दिल्ली पुलिस के साथ एक परियोजना कार्यान्वित कर रहा है। यह परियोजना न केवल देश में बल्कि विश्व भर में अपनी तरह की अनूठी परियोजना है, जहां स्थानीय पुलिस स्टेशनों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। युवा 2.0 के तहत कुल 10,000 उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया जाना है, जिनमें 40% महिला लाभार्थी शामिल हैं। नवंबर 2023 तक कुल 8,867 उम्मीदवारों को प्रमाणित किया गया है।

10. **जनजातीय गौरव दिवस 2023 का आयोजन:** तीसरा जनजातीय गौरव दिवस 15 नवंबर, 2023 से शुरू होकर 26 नवंबर, 2023 तक देश भर में संविधान दिवस के साथ एमएसडीई के सभी कार्यालयों में मनाया गया।

11. उपर्युक्त पहलों के अलावा, सभी प्रदेयों त्वरित निपटान में अत्यधिक तत्परता और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए आंतरिक उपायों के माध्यम से कार्य निष्पादन को युक्तिसंगत बनाने की चल रही प्रक्रिया जारी रही।

* * * * *